रामपुर-मनिहारान(उ.प्र.)। सांसद प्रदीप चौधरी को ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू में होने वाले राजनीतिक महासम्मेलन में आने का निमंत्रण देते हुए ब्र.कु. संतोष दीदी।

नई दिल्ली। ग्लोबल लीडर्स अवॉर्ड और सम्मिट में ब्र.कु. डॉ. बिन्नी को आध्यात्मिकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए 'स्पीरिचुअल इनफ्लुएंसर ऑफ द इयर' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। ब्र.कु. डॉ. बिन्नी इंटरफेथ (सेलिब्रेशन ऑफ होप इंटरफेथ इवेंट) कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रहीं व सर्व धर्म सम्मेलन को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में चिली के एंबेसडर व दिल्ली के प्रमुख बिशप ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। मारवाह स्टूडियो के अध्यक्ष डॉ. संदीप मारवाह द्वारा मारवाह स्टूडियो दिल्ली में आयोजित एशियन यूनिटी डे सेलिब्रेशन में भी ब्र.कु. डॉ. बिन्नी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल रहीं।

रोपड़-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा सद्भावना भवन सेवाकेंद्र में आयोजित 'उलझनों से उजाले की ओर' विषयक सेमिनार में अमृत सागर,आर.एस.एस. के संगठन मंत्री, म्युनिसिपल कौंसल के पूर्व पार्षद हरमोहिंदर पाल सिंह वालिया, माउण्ट आबू से प्रशासक सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. हरीश भाई, ओ.आर.सी. गुरुग्राम से ब्र.कु. ईशू बहन, गुजरात के जूनागढ़ से ब्र.कु. मधु बहन, रूपनगर क्षेत्र के राजयोग सेवाकेंद्रों की संचालिका एवं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. रमा दीदी, मोहाली से ब्र.कु. अदिति बहन, राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. मीना बहन, तेलंगाना से ब्र.कु. राहुल भाई, मोहाली से ब्र.कु. कर्मचंद भाई व अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

होशियारपुर-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा बाल सुधार गृह में 'अपराधमुक्त समाज हेतु नैतिक शिक्षा की आवश्यकता' विषय पर राजयोगी ब्र.कु. भगवान भाई,माउण्ट आबू ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम में अधीक्षक नरेश कुमार, स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र जगतपुरा की राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. लक्ष्मी बहन, ब्र.कु. उषा बहन, रिटा. एसडीओ सुरेन्द्र कुमार, रमेशचंद्र शर्मा,सिंचाई विभाग रिटा.सुपरिटेंडेंट, कौंसलर पुतिन कुमार, कौंसलर सुधीर कुमार, बिन्द्रदिंह हॉउस फादर आदि उपस्थित रहे।

नालंदा-बिहार। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय राजयोग शिविर प्रशिक्षण के शुभारंभ कार्यक्रम में वार्ड पार्षद पवन बरनवाल, ब्र.कु. ज्योति बहन, देवनंदन भाई, जोगिंदर भाई, गीता माता सहित 100 से भी अधिक भाई-बहनें उपस्थित रहे।

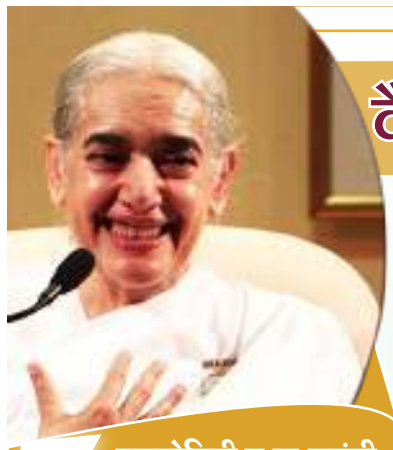

घर के गेट खोलने की चाबी... वैराग्य वृत्ति

वैराग अर्थात् कहाँ भी हमारी रग न जाये

राजयोगिनी ब्र.कु.जयंती दीदी,अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़

गहराई से सोचते हैं कि कोई मनुष्य का संबंध है, उसका कनेक्शन होता लेन-देन। क्या दिया और क्या लिया, चाहे इस जन्म का, चाहे पूर्व जन्म का। कुछ भी हो। परंतु दूसरे शब्दों में लेन-देन को कहेंगे कर्मों का हिसाब-किताब।

गतांक से आगे...

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढ़ा कि आप ये भी कॉन्ट्रास्ट देखो कि पहले हमारी स्थिति क्या थी, मन में क्या संकल्प चलते थे, क्या खोज चलती थी, इच्छाएं किस प्रकार की थीं, ज़रूरतें भी कुछ होती थीं। तन की हालत क्या थी और धन का तो ये देखा हुआ है कि जिसके पास जितना धन होता कभी भी वो सन्तुष्टता नहीं होती। हमेशा यही संकल्प आता कि इसको बढ़ायें कैसे, मल्टीप्लाय कैसे हो! कभी भी वो सन्तुष्ट नहीं होते, चाहे कितना भी हो। परंतु बाबा के बच्चे तन भी जो है, बाबा चला रहा, शुक्रिया बाबा। तन भी जो है फिर भी इससे सेवा होती रही है और आगे भी होती रहेगी। तो भी बाबा को थैंक्स देते। धन जितना भी है बस आत्मा सन्तुष्ट। बाबा ने एक बारी दादी जानकी को कहा था कि आपके पास इतना होगा जो ज़रूरत के अनुसार ऐसे भी कभी नहीं होगा जो आप सोचेंगे कि धन कम हो गया या कमी है धन की, नहीं। परंतु इतना भी नहीं सोचेंगे कि बहुत ज़्यादा अभी रखा हुआ है, अभी इसका क्या किया जाये। हमेशा इतना होगा जितनी ज़रूरत है। लास्ट तक भी बाबा का वो ही वरदान काम आता रहा। अब आगे पढ़ते हैं...

बेहद की सेवा है, उसके लिए भी है। परंतु जितना ज़रूरत है उतना है। तो क्या हम लोगों को अपने लिए जो ज़रूरतें हैं बाबा वो पूरी नहीं करेगा! एक बारी दादी ने बताया कि जब वो बंधन में थे और बहुत कड़ा बंधन था। तो बंधन तोड़ने में दादी को दृढ़ संकल्प रहा कि मुझे तो बिल्कुल समर्पण होना है, बाबा का ही बनके रहना है। तो दादी ने ये सोचा कि चिड़ियों को भी कौन खिलाने वाला है। जंगलों में तो कोई मनुष्य नहीं होते जो उन्हों को दाना-पानी देवे। परंतु चिड़िया कैसे जीती है? ऊपर वाला खिला है। तो अगर चिड़ियों का भी भगवान इतना ध्यान रखता तो क्या हमारा ध्यान बाप नहीं रखेगा! तो इस संकल्प से हर बात का बंधन दादी तोड़ती गईं, तोड़ती गईं और बाबा की बन गईं। मन से तो पहले ही बनी हुई थीं। परंतु फिर तो पूरी ही समर्पण जीवन। तो वैराग, कहां भी हमारी रग न जाये। कहां भी हमारी रग जुटी हुई न हो।

सम्बन्ध है उस समय तो लगता कि मीठा सम्बन्ध है, परंतु फिर गहराई से सोचते हैं कि कोई मनुष्य का सम्बन्ध है, उसका कनेक्शन होता लेन-देन। क्या दिया और क्या लिया, चाहे इस जन्म का, चाहे पूर्व जन्म का। कुछ भी हो। परंतु दूसरे शब्दों में लेन-देन को कहेंगे कर्मों का हिसाब-किताब। तो मुझे अभी किसी से लेने का मतलब क्या? यदि आजतक भी हमें ये थोड़ा-सा संकल्प आता चाहे लौकिक से कुछ चाहिए, चाहे अलौकिक परिवार से कुछ चाहिए ये हमें सहयोग देवे, ये हमें रिस्पेक्ट देवे। ये हमारे ऊपर ध्यान देवे। भिन्न-भिन्न प्रकार के संकल्प आ सकते। परंतु जब ये बुद्धि में आ गया कि अभी जितना मुझे लेना है फिर जो उसका रिटर्न भी देना होगा और रिटर्न भी किस प्रकार से देना होगा,अभी हमें समझ में नहीं आता लेकिन रिटर्न देना तो होगा। लौकिक में छोटी-सी बात में किसने आपको बर्थडे की सौगात दी तो आपको तो बिल्कुल ध्यान रखना पड़ेगा उसका बर्थडे आये तो मुझे उसको ज़रूर कुछ सौगात रिटर्न में देनी है। तो ये तो बहुत छोटी बात और कितने जन्मों का हिसाब-किताब हमारा आगे बना हुआ है और अभी भी हम उसमें एड करते जायें तो ये तो बहुत भारी बात हो जाती। तो हमें किसी भी मनुष्य आत्मा से स्थूल भी नहीं चाहिए और सूक्ष्म भी नहीं चाहिए। बाबा सबकुछ हमें दे रहा। अच्छा धन नहीं है लेकिन बाबा इतनी बुद्धि देता जो सच्चाई से थोड़ी बहुत कमाई करके कुछ तो अपने को सम्भाल सकते। या जितना भी है उतने में अपनी सादगी जीवन बनाकर चला सकते।

दादी की कई बातें याद आती ही रहती क्योंकि दादी के पास इतने वर्षों से पालना ली। 40 वर्ष मैं दादी के पास एक ही कमरे में रही। तो दादी की कई बातें कदम-कदम पर याद आती ही रहती हैं। दादी ने कहा था कि मैं अपना हिसाब रखती हूँ सवेरे से रात्रि तक, मैं कितना लेती हूँ अपने तन के लिए, अपने मन के लिए और मैं कितना बाबा को सेवा में रिटर्न देती हूँ। मैं बिल्कुल ये हिसाब रखती हूँ कि लिया कितना स्थूल हिसाब से और मैंने दिया कितना सेवा के हिसाब से। - क्रमशः

दिल्ली-स्वरूप नगर। ब्रह्माकुमारीज़ उपसेवाकेंद्र के नव निर्मित भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए एसीपी अरविंद सागर नेगी। मंचासीन हैं एसीपी दिनेश कुमार, मजलिस पार्क सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. राजकुमारी दीदी, अंतर्राष्ट्रीय वक्ता एवं वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी तथा स्थानीय संचालिका ब्र.कु. शारदा दीदी।

कुरुक्षेत्र-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर 'स्ट्रेस-फ्री एडमिनिस्ट्रेशन' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए दीपक जी,असि. डायरेक्टर अटॉर्नी, राय सिंह,डायरेक्टर पीएनबी रूरल डेवलपमेंट, ब्र.कु. येशु बहन,ओआरसी, ब्र.कु. मधु दीदी,जुनागढ़,गुजरात, ब्र.कु. हरीश भाई, एडमिनिस्ट्रेशन विंग,ब्रह्माकुमारीज़ माउण्ट आबू, ब्र.कु. सरोज दीदी,डायरेक्टर कुरुक्षेत्र,ब्रह्माकुमारीज़, ब्र.कु. मधु बहन,कुरुक्षेत्र तथा ब्र.कु. अदिति बहन।

जलंधर-ग्रीन पार्क(पंजाब)। श्री रामनवमी उत्सव कमेटी द्वारा रामनवमी के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में ब्रह्माकुमारीज़ 52 ग्रीन पार्क सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रेखा बहन, पंजाब केसरी के संपादक विजय चोपड़ा तथा अन्य। इस मौके पर ब्र.कु. रेखा बहन द्वारा शोभा यात्रा का शुभारंभ किया गया।

मोहाली फेज़ 7-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ के सुख शांति भवन सेवाकेंद्र में महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कैंडल लाइटिंग करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेमलता दीदी,संचालिका,राजयोग सेवाकेंद्र,मोहाली रोपड़ सर्कल, डॉ. ज्योति यादव,आई.पी.एस. सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस(डी.)मोहाली, संजीव गर्ग,एडिशनल डायरेक्टर,पंचायत्स पंजाब, बीबी परमजीत कौर लांड्रां,मेम्बर एसजीपीसी एंड फॉर्मर चेयरपर्सन,पंजाब स्टेट वुमेन कमिशन तथा अन्य।

कादमा-हरियाणा। पृथ्वी दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में वृक्षारोपण के साथ कविता, पेंटिंग व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. वसुधा बहन, ब्र.कु. नीलम बहन, झोझूकलां सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. ज्योति बहन सहित बड़ी संख्या में अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

पटना सिटी-पंचवटी कॉलोनी(बिहार)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत संस्थान के मुख्यालय माउण्ट आबू से आये कुम्भकरण वाहन द्वारा 3000 लोगों को नशा मुक्ति के लिए जागरुक किया गया।